

भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section, (ii)

प्रामाणिक से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 67]

नई दिल्ली, शुक्रवार, फरवरी 8, 1974/माघ 19, 1895

No. 67]

NEW DELHI, FRIDAY, FEBRUARY 8, 1974/MAGHA 19, 1895

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह प्रत्येक संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

MINISTRY OF PETROLEUM AND CHEMICALS

RESOLUTION

New Delhi, the 8th February 1974

SUBJECT.—*Constitution of Committee on the drugs and Pharmaceuticals industry.*

S.O. 98(E).—In the context of the large-scale expansion of the drugs and pharmaceuticals industry envisaged during the Fifth Five Year Plan, with a view to ensuring the regulated and rapid growth of drug manufacture, and further with a view to ensuring that all essential drugs are made available to the consumers at reasonable prices. Government have decided to constitute a Committee with the following membership:—

Chairman

1. Shri Jaisukhlal Hathi, M.P.

Members

2. Shri Yashpal Kapur, M.P.
3. Shri Vasant Sathe, M.P.
4. Shri Ranen Sen, M.P.
5. Shri K. S. Chavda, M.P.
6. Shri C. M. Stephen, M.P.
7. Dr. M. L. Dhar, Director, Central Drugs Research Institute, Lucknow.
8. Dr. B. D. Tilak, Director, National Chemical Laboratory, Poona.
9. Shri S. S. Marathe, Chairman, Bureau of Industrial Costs of Prices.

10. Shri Vinod Kumar, Joint Secretary, Ministry of Petroleum and Chemicals.
11. Shri P. S. Ramachandran, Drugs Controller, DGHS.
12. Dr. B. Shah, Dy. Director General, DGTD.
13. Dr. B. V. Ranga Rao, Centre for Studies in Science Policy, Jawaharlal Nehru University.
14. Shri M. K. Rangnekar, Commissioner, Food and Drug Administration, Government of Maharashtra, Bombay.

Member-Secretary

15. Dr. P. R. Gupta, Adviser (Drugs) Ministry of Petroleum & Chemicals.
2. The Committee will examine and report upon the following matters—
 - (i) To enquire into the progress made by the industry and the status achieved by it.
 - (ii) To recommend measures necessary for ensuring that the public sector attains a leadership role in the manufacture of basic drugs and formulations, and in research and development.
 - (iii) To make recommendations for promoting the rapid growth of the drugs industry and, particularly, of the Indian and small scale industries' sectors. In making its recommendations the Committee will keep in view the need for a balanced regional dispersal of the industry.
 - (iv) To examine the present arrangements for the flow of new technology into the industry, and make recommendations therefor.
 - (v) To recommend measures for effective quality control of drugs and for rendering assistance to small scale units in this regard.
 - (vi) To examine the measures taken so far to reduce the prices of drugs for the consumer, and to recommend such further measures as may be necessary to rationalise the prices of basic drugs and formulations.
 - (vii) To recommend measures for providing essential drugs and common household remedies to the general public, especially in the rural areas.
 - (viii) To recommend institutional and other arrangements to ensure equitable distribution of basic drugs and raw materials especially to the Small Scale Sector.
3. The Committee will ascertain and take into consideration the views of the State Governments and other interests concerned, as may be found necessary.
4. The Committee's headquarters will be at New Delhi.
5. All Secretariat assistance required by the Committee will be provided by the Ministry of Petroleum and Chemicals.
6. The Committee will meet as often as may be considered necessary by the Chairman and shall submit its final report to Government within six months. The Committee may also, at its discretion, submit interim reports on specific matters from time to time.

ORDER

Ordered that this Resolution be communicated to all the Ministries of Government of India, all State Governments, the Comptroller & Auditor General of India, Accountant General, Commerce, Works & Miscellaneous, and Accountant General, Central Revenues.

Ordered also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

[No. 3(26)/73-CH.III.]

P. K. DAVE, Secy.

पेट्रोलियम और रसायन मंत्रालय

संकल्प

नई दिल्ली, 8 फरवरी, 1974

विषय.—श्रीषध तथा भेषज उद्योग के सम्बन्ध में समिति का गठन ।

सरकार ने पांचवी पंचवर्षीय योजना में श्रीषध तथा भेषज उद्योग के सम्बन्ध में परिकल्पित भारी विस्तार के सन्दर्भ में, श्रीषध निर्माण को नियमित बनाने तथा उसमें तीव्र गति से वृद्धि करने और उपभोक्ताओं को उचित मूल्यों पर सभी प्रकार के आवश्यक श्रीषध उपलब्ध कराने की दृष्टि से निम्नलिखित सदस्यों की एक समिति गठित करने का निर्णय किया है :—

अध्यक्ष

1. श्री जयसुखलाल हाथी, संसद सदस्य

सदस्य

2. श्री यशपाल कपूर, संसद सदस्य
3. श्री बसन्त साठे, संसद सदस्य
4. श्री रानेन सेन, संसद सदस्य
5. श्री के० एम० चावदा, संसद सदस्य
6. श्री सी० एम० स्टीपेन, संसद सदस्य
7. डाक्टर एम० एल० धर,
निदेशक, केन्द्रीय श्रीषध अनुसंधान संस्थान, लखनऊ
8. डाक्टर बी० डी० तिलक, निदेशक, राष्ट्रीय रसायन प्रयोग-
शाला, पूना
9. श्री एम० एम० मराठे, अध्यक्ष, औद्योगिक लागत
तथा मूल्य ब्यूरो
10. श्री विनोद कुमार, संयुक्त सचिव, पेट्रोलियम और रसायन मंत्रालय
11. श्री पी० एम० रामचन्द्रन, श्रीषध नियंत्रक, डी० जी० एच० एम०
12. डाक्टर बी० शाह, उप महानिदेशक, डी० जी० टी० डी०
13. डाक्टर बी० बी० रंगाराव, वैज्ञानिक नीति सम्बन्धी
अध्ययन केन्द्र जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय ।
14. श्री एम० के० रांगनेकर, आयुक्त खाद्य तथा
श्रीषध-प्रशासन, महाराष्ट्र सरकार, बम्बई

सदस्य सचिव

15. डाक्टर पी० आर० गुप्ता, सलाहकार (श्रीषध),
पेट्रोलियम और रसायन मंत्रालय
2. यह समिति निम्नलिखित मामलों की जांच करेगी तथा उनके सम्बन्ध में रिपोर्ट देगी:—
 - (i) इस उद्योग द्वारा की गई प्रगति तथा इसके द्वारा उपलब्ध स्तर की जांच करना ।
 - (ii) सरकारी क्षेत्र मूल श्रीषधों और सूत्रभोगों के निर्माण में और अनुसंधान तथा विकास कार्य की प्रगति हो, यह सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक उपायों की सिफारिश करना ।

- (iii) औषध उद्योग की तीव्र गति से विकास करने की सिफारिश करना और विशेष रूप से भारतीय और लघु उद्योग क्षेत्र की सिफारिश करना। समिति अपनी सिफारिश करते हुए इस बात का ध्यान रखेगी कि उद्योग का क्षेत्रीय फैलाव संतुलित हो।
- (iv) इस उद्योग में नवीन प्रौद्योगिकी को प्रवाहित करने के लिए वर्तमान प्रवन्ध की जांच करना, और उप के लिए सिफारिशें करना।
- (v) औषधों के प्रमाँों गुण नियंत्रण के लिए तथा इस सम्बन्ध में लघु उद्योग के एककों को सहायता देने के लिए उपायों की सिफारिश करना।
- (vi) उपभोक्ताओं के लिए औषध मूल्यों को कम करने के लिए अब तक किए गए उपायों का निरीक्षण करना, और मूल औषधों और सूत्रयोगों के मूल्यों को युक्ति संगत बनाने के लिए जो उपाय आवश्यक हो उन उपायों की सिफारिश करना।
- (vii) ग्राम जनता के लिए विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों के लिए ग्राम धरलू उपचारों और आवश्यक औषधों की व्यवस्था करने के लिए उपायों की सिफारिश करना।
- (viii) विशेष रूप से लघु उद्योग क्षेत्र के लिए मूल औषधों और कच्चे मास का उचित वितरण सुनिश्चित करने के लिए सांस्थानिक और अन्य प्रवन्धों की सिफारिश करना।

3. समिति राज्य सरकारों और अन्य सम्बन्धित पक्षों के विचार माँूम करेगी जिन्हें वह आवश्यक समझे और उस पर विचार करेगी।

4. समिति का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

5. पेट्रोलियम और रसायन मंत्रालय समिति के लिए अपेक्षित साँचवालय सम्बन्धी सहायता की व्यवस्था करेगी।

6. समिति की बैठक उतनी बार होगी जितनी बार अध्यक्ष इसकी आवश्यकता अनुभव करेंगे और 3 महीने के भीतर वह समिति भारत सरकार को अपनी अन्तिम रिपोर्ट पेश करेगी। समिति की स्वेच्छानुसार समय समय पर विणिष्ट मामले पर अपनी अन्तरिम रिपोर्ट पेश कर सकेगी।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि यह सकल भारत सरकार के सभी मंत्रालयों, सभी राज्य-सरकारों भारत के नियंत्रक तथा महालेखापरीक्षक, महालेखाकार, वाणिज्य, निर्माण, तथा विविध, और महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्व को भेजा जाये।

यह भी आदेश दिया जाता है कि यह संकल्प सामान्य सूचना के लिए भारत के राजात्र में प्रकाशित किया जाये।

[सं० 3(26)/73-सैमि-III]

प्र० क० धवे, सचिव।